Mirabai, tr. by Chloe Martinez

Untitled

कोई दनि याद करोगे रमता राम अतीत।
आसण माँड़ि अडिग होय बैठा, याही भजन की रीत।
मैं तो जाँणू जोगी संग चलेगा छाँड़ि गया अघबीच।
आत न दीसे जात न दीसे, जोगी किसका मीत।
मीराँ कहै प्रभु गरिधर नागर चरणन आवे चीत।।